पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0
(राजभवन सूचना परिसर)

राज्यपाल ने महात्मा गाँधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी द्वारा नैक मूल्यांकन हेतु तैयार एस0एस0आर0 की समीक्षा की

विद्यार्थियों को नैक की उपयोगिता बताते हुए तैयारियों में उनकी प्रतिभागिता भी सुनिश्चित करें

विश्वविद्यालय में गाँधी जी के मूल्यों को चरितार्थ करें

–राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल

लखनऊ : 11 जनवरी, 2024

प्रदेश की राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्रीमती आंनदीबेन पटेल ने आज यहाँ राजभवन में महात्मा गाँधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी द्वारा नैक मूल्यांकन हेतु दाखिल की जाने वाली सेल्फ स्टडी रिपोर्ट की समीक्षा की। विश्वविद्यालय इससे पूर्व तीन बार नैक मूल्यांकन प्राप्त कर चुका है और अब चौथी बार मूल्यांकन हेतु आई0आई0क्यू0ए0 (इंस्टीट्यूशनल इनफॉरमेशन फॉर क्वालिटी एसेसमेंट) दाखिल कर चुका है तथा एस0एस0आर0 दाखिल करने की तैयारी कर रहा है। पूर्व के तीन मूल्यांकनों में विश्वविद्यालय ने वर्ष 2004 में 'बी प्लस', वर्ष 2012 में 'बी' तथा वर्ष 2018 में 'सी' ग्रेड हासिल किया है।

राज्यपाल जी ने विश्वविद्यालय की नैक हेतु गठित टीम से मूल्यांकन के सभी सातों क्राइटेरिया पर बिंदुवार तैयारियों की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि टीम के सभी सदस्य एक साथ बैठकर सभी मानकों का बिंदुवार अवलोकन अवश्य करें तथा किसी बिंदु के विवरणों में कमी अथवा छूटे हुए उल्लेखों को पूरा कराने में सामूहिक प्रयास करें। क्राइटेरिया–1 में उन्होंने विश्वविद्यालय में शिक्षा ग्रहण कर रहे ट्रांसजेण्डर विद्यार्थियों की संख्या का

उल्लेख करने को कहा। इसी क्राइटेरिया में उन्होंने विवरण प्रमाण तथा उनके फोटोग्राफ को पुनर्व्यवस्थित करने को कहा। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को नैक की उपयोगिता बताते हुए इसकी मूल्यांकन प्रक्रिया से भी अवगत कराएं और विश्वविद्यालय द्वारा की जा रही तैयारियों में उनकी प्रतिभागिता भी सुनिश्चित करें।

टीचिंग, लर्निंग एण्ड इवैलुएशन की समीक्षा करते हुए राज्यपाल जी ने अनावश्यक उल्लेखों को हटाने तथा सभी प्रपत्रों पर रजिस्ट्रार के हस्ताक्षर सुनिश्चित कराने को कहा। इन्फ्रास्ट्रक्चर एण्ड लर्निंग रिसोर्स पर चर्चा करते हुए राज्यपाल जी ने विश्वविद्यालय के सर्वाधिक भ्रमणशील परिसर में छात्रों एवं शिक्षकों की उपलब्धियों, मेरिट लिस्ट को प्रदर्शित करने को कहा। उन्होंने महात्मा गाँधी की विशेष चर्चा को भी जोड़ा और कहा कि विश्वविद्यालय में उनके भ्रमण के प्रमाण और चित्रों आदि को भी अपने विवरण में जोड़ें। राज्यपाल जी ने सुझाव दिया कि विवरण को समृद्ध और प्रामाणिक बनाने के लिए ए0आई0 का उपयोग भी किया जा सकता है। उन्होंने विश्वविद्यालय में गाँधी जी के मूल्यों को चरितार्थ करने का निर्देश देते हुए विद्यार्थियों को परिसर में हस्त निर्मित वस्त्र बनाने, स्वच्छता अभियान चलाने जैसे कार्यों से जोड़ने को कहा। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को वाराणसी के परम्परागत बनारसी वस्त्र की बुनाई कला सिखाएं।

इसी क्रम में राज्यपाल जी ने विश्वविद्यालयों में पुस्तकालय स्तर पर पुस्तक प्रदर्शनी लगाने, सम्पूर्णानंद विश्वविद्यालय, वाराणसी के पुस्तकालय को भी काशी विद्यापीठ के विद्यार्थियों के उपयोग में लाने तथा ई–पुस्तकालय उपयोग की विद्यार्थियों के बीच अधिकाधिक जानकारी प्रसारित करने को कहा। इसके पूर्व ली गई समीक्षा बैठक में दिए गए निर्देशों के समुचित

अनुपालन का अभाव देखकर उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय की नैक तैयारी से जुड़े सभी सदस्य समीक्षा बैठकों में प्रतिभाग सुनिश्चित करें, जिससे मूल्यांकन के सभी बिंदुओं पर दिए गए व्यापक दिशा–निर्देशों के अनुपालन में कमियाँ परिलक्षित न हों।

इस अवसर पर बैठक में अपर मुख्य सचिव राज्यपाल डॉ0 सुधीर महादेव बोबडे, विशेष कार्याधिकारी शिक्षा, विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 आनंद कुमार त्यागी, विश्वविद्यालय द्वारा नैक मूल्यांकन तैयारी हेतु गठित टीम के सदस्य तथा अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

डॉ. सीमा गुप्ता,
सहायक निदेशक, राजभवन
सम्पर्क सूत्र–8318116361